

| | |
|-----------------|---|
| रस (6) | मधुर, लवण, तप्त, तिक्त, खट्टा, कसैला। |
| राशि (12) | मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन। |
| रिपु (6) | लोभ, क्रोध, लालच, मोह, घमंड, ईर्ष्या। |
| रुद्र (11) | अज, एकपाद, अहिर्बुध्न्य, हरण, त्र्यंबक, अपराजित, वृषकपि, शंभु, ईश्वर, पिनाकी, महेश्वर। |
| लोक (3) | पृथ्वी, स्वर्ग, पाताल। |
| लोकपाल (8) | इंद्र, अग्नि, यम, सूर्य, वरुण, वायु, कुबेर, सोम। |
| वेद (4) | ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद। |
| वेदांग (6) | शिक्षा, कल्प, निरुक्त, छंद, ज्योतिष, व्याकरण। |
| शरीर (3) | स्थूल, सूक्ष्म, कारण। |
| षोडश दान (16) | भूमि, आसन, शय्या जल, वस्त्र, दीप, अन्न, पान, इत्र, हार, फल, चंदन, गौ, छाता, स्वर्ण, रजत। |
| संस्कार (16) | गर्भाधान, पुंसवन, सीमंत, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेध, उपनयन, वेदारंभ, समावर्तन, विवाह, वानप्रस्थ, संन्यास, अंत्येष्टि। |
| सप्तक्षेत्र (7) | कुरुक्षेत्र, हरिहरक्षेत्र, प्रभासक्षेत्र, रेणुकाक्षेत्र, भृगुक्षेत्र, सूकरक्षेत्र, पुरुषोत्तमक्षेत्र। |
| सप्तपुरी (7) | अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, कांची, द्वारका, अवंतिका (उज्जैन)। |
| सप्तबद्धी (7) | विशालबद्धी, ध्यानबद्धी, बृद्धबद्धी, भविष्यबद्धी, योगबद्धी, आदिबद्धी, नृसिंहबद्धी (उत्तराखंड में)। |
| सप्तर्षि (7) | गौतम, भारद्वाज, विश्वामित्र, जमदग्नि, वशिष्ठ, कश्यप, अत्रि। |
| सप्त (7) | अश्वत्थामा, बलि, व्यास, कृप, हनुमान, विभीषण, परशुराम। |
| चिरंजीवी | |